जीवन विद्या प्रतिष्ठान गोविन्दपुर - खारी (झालू), जि. बिजनौर, उ. प्र. - 246728 रजि नं० - 1168/4
JIVAN VIDYA PRATISHTHAN Govindpur- Khari (Jhalu) Distt- Bijnor, U.P. - 246728 (01342) 67511

अभियान

परिवार मूलक ग्राम-स्वराज्य

जीवन विद्या योजना
- मानवीय शिक्षा-संस्कार योजना
- मानवीय स्वास्थ्य-संयम योजना
- मानवीय उत्पादन-कार्य योजना
- मानवीय विनिमय-कोष योजना
- मानवीय न्याय-सुरक्षा योजना
- विवेक सम्मत विज्ञान-प्रोद्योगिकी

परिवार मानव

सहअस्तित्वपूर्ण
विश्व मानव परिवार पत्रिका
(हिन्दी, अंग्रेजी-द्विमासिक)

स्रोत

मध्यस्थ दर्शन (सहअस्तित्ववाद)

जीवन विद्या कार्ययोजना संगोष्ठी

26/10/96.

पू० बाबा जी (श्री ए० नागराजजी)
अमरकण्टक

स्वजनों,

जीवन विद्या की समझ को लोकव्यापीकरण करने, एवं उसे कार्यरूप देने की दृष्टि से एक व्यवस्थित एवं विस्तृत योजना बनाने की आवश्यकता है। इस कार्ययोजना के अन्तर्गत लिये जाने वाले कार्य, कार्यविधि, संगठनात्मक स्वरूप, संबंधित व्यक्ति व उनके द्वारा ली जाने वाली जिम्मेदारियाँ, आवश्यक संसाधन आदि का एक संक्षिप्त विवरण इस प्रपत्र में प्रस्तुत किया गया है। आपसे यह अपेक्षा है कि इस प्रपत्र को पढ़कर आपकी राय, विशेषकर निम्नलिखित बिंदुओं पर, विस्तार से लिखकर यथाशीघ्र अवधेशजी को भेजें-

1. कार्ययोजना का कोई बिंदु जो छूट गया हो।
2. इन बिन्दुओं पर समझ के लोकव्यापीकरण व समझ को कार्यरूप देने की दृष्टि से आपके विचार
3. इन कार्यों में आपकी भागीदारी - स्पष्टरूप से

आपके सुझावों/विचारों के आधार पर एक संकलित प्रस्ताव तैयार किया जायगा जिसके आधार पर आनेवाले समय में लिये जाने वाले कार्य एवं कार्यविधि का निर्णय लिया जायगा।

इस प्रस्ताव को अन्तिम रूप देने की दृष्टि से एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है।

आपके आने की पूर्व सूचना (ट्रेन व तिथि) नागौद ~~और दिल्ली~~ के पते पर दें। अगर लौटने के लिए रिजर्वेशन की आवश्यकता हो तो अवधेशजी को सूचित करें।

शुभकामनाओं सहित

आपका
गणेश
(गणेश बागड़िया)

संगोष्ठी संबंधी विवरण

तिथि - 21, 22, 23 दिसम्बर '96.
स्थान - नागौद
सम्पर्क - अवधेश श्रीवास्तव, RB/22-B, सिविल लाइन्स, नागौद
सतना रेलवे स्टेशन/बस स्टैंड से टैक्सी/जीप से नागौद पहुँच सकते हैं। बम्बई, दिल्ली, कानपुर, अमरकंटक की ओर से आने वाले व्यक्तियों के लिए 21 तारीख को सुबह 4 से 10 बजे तक जीप की व्यवस्था अवधेशजी द्वारा उपलब्ध होगी।

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

1. कार्यक्रम - समझ के लोकव्यापीकरण एवं कार्यरूप देने की दृष्टि से

1.1 जीवन विद्या योजना

1.11 साहित्य तैयार किया जाना — हिन्दी व अंग्रेजी में

1.111 बाबा का साहित्य
1.112 शिविर के लिए - विषय-वस्तु, पाठ्य सामग्री
1.113 जीवन विद्या परिचय संबंधी बुकलेट, प्रपत्र आदि.
1.114 पाठ्यक्रम सामग्री - IIT जैसे संस्थानों में विद्या को पाठ्यक्रम में शामिल करने की दृष्टि से
1.115 संगोष्ठी/कार्यगोष्ठी/अनुसंधान के लिए सामग्री/शोधपत्र आदि.
1.116 विभिन्न आयामों - विज्ञान, तकनीकी, अर्थशास्त्र, राजनीति, मनोविज्ञान आदि पर सामग्री.
1.117 पत्र-पत्रिकाओं के लिए स्तंभ लेख

1.12 लोगों की भागीदारी बढ़ाना

1.121 जीवन विद्या शिविर - गोविन्दपुर, गाँवों में, अन्य स्थानों में - दिल्ली, कानपुर, भिलाई आदि.
1.122 व्यक्तिगत सम्पर्क से - विशेषकर सामाजिक कार्यों में रुचि लेने वाले युवाओं से
1.123 संगोष्ठी/कार्यगोष्ठी/बैठक/पाठ्यक्रम में भाग लेकर/आयोजित कर
1.124 जीवन विद्या के आधार पर शोध-कार्य/प्रकल्प - विज्ञान, तकनीकी, शिक्षा आदि पर
1.125 पत्रिका - परिवार मानव
1.126 पत्र-पत्रिकाओं में लेख लिखा जाना
1.127 विद्या से जुड़े लोगों के बीच सतत् सम्पर्क.

1.2 स्वराज्य योजना

1.21 शिक्षा-संस्कार योजना

1.211 कक्षा I से XII तक का विस्तृत पाठ्यक्रम तैयार करना - विद्या तथा व्यवसाय सहित.
1.212 विभिन्न स्थानों पर विद्यालय प्रारंभ किया जाना
1.213 विद्या पर आधारित विद्यालय/विद्यापीठ की स्वायत्तता
1.214 विद्यालय के शिक्षकों को तैयार करना - शिक्षक प्रशिक्षण शिविर
1.215 अन्य विद्यालयों/महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों में जीवन विद्या का समावेश
1.216 जीवन विद्यालयों में उत्पादन-कार्य शुरू करना

1.22 स्वास्थ्य-संयम योजना

1.221 स्वास्थ्य संयम योजना का विस्तृत स्वरूप तैयार करना
1.222 उपयुक्त व्यक्तियों को ढूंढना और उन्हें तैयार करना
1.223 गोविन्दपुर, बड़ोखर और आस-पास के गाँवों में इसे प्रारंभ करना
1.224 औषधियों के उत्पादन का कार्य प्रारंभ करना

1.23 उत्पादन-कार्य योजना

1.231 उत्पादन-कार्य योजना का ~~(विवरण)~~ विस्तृत स्वरूप तैयार करना।
1.232 गोविन्दपुर, बड़ोखर, रेवती आदि स्थानों पर उत्पादन प्रारंभ करना - स्वावलंबन व प्रशिक्षण की दृष्टि से
1.233 सह-अस्तित्ववादी उत्पादन प्रक्रिया का विकास करना।
1.234 वर्तमान में प्रयुक्त उत्पादन-प्रक्रियाओं को सह-अस्तित्ववादी दृष्टिकोण के आधार पर परिवर्तित करना

1.24 विनिमय-कोष योजना

1.241 विनिमय कोष योजना का विस्तृत स्वरूप तैयार करना

1.242 विभिन्न स्तरों पर इस योजना को लागू करने पर प्रयोग

1.243 विद्यालय व गाँव के स्तर पर इसे लागू करना

1.25 न्याय-सुरक्षा योजना

1.251 न्याय-सुरक्षा योजना का विस्तृत स्वरूप तैयार करना - सामाजिक व्यवस्था, राज्यनैतिक व्यवस्था

1.252 गोविन्दपुर, बोरवर आदि गाँवों में इसे लागू करना

2. संरचना एवं प्रबंधन

2.1 स्थानीय स्तर पर संस्थान/डकाई की स्थापना जो एक या अनेक योजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी ले।

2.2 विश्वविद्यापीठ - शिक्षण संस्थानों के कार्यों में समन्वयन की दृष्टि से
शिक्षण, प्रशिक्षण, शोध व क्रियान्वयन की दृष्टि से

2.3 केन्द्रीय कार्यालय - दिल्ली में - प्रतिष्ठानों/संस्थानों के बीच समन्वयन के लिए
विदेश के संस्थानों/व्यक्तियों से संपर्क के लिए
प्रकाशन कार्य

2.4 जीवन-विद्या से जुड़े व्यक्ति व उनकी भागीदारी (जिम्मेदारी) के आधार पर समितियाँ

3. संसाधन

3.1 भौतिक संसाधन

3.11 भूमि

3.12 भवन

3.13 परिवहन, सम्पर्क, प्रकाशन

3.2 आय के स्रोत

3.21. कृषि

3.22 उत्पादन-कार्य

3.23 जीवन विद्या परिवार सदस्यों द्वारा योगदान

3.24 अनुदान

3.25 स्वयंसेवी/सरकारी संस्थाओं द्वारा सहयोग - प्रयोजना/शोधकार्य/प्रकाशन आदि के माध्यम से.